कृषि उद्यमिता के माध्यम से ग्रामीण युवाओं में रोजगार सृजन

दुनिया का सबसे युवा देश भारत है जहाँ की 65 प्रतिशत से ज्यादा आबादी 35 वर्ष से कम उम्र की है जबकि 50 प्रतिशत से ज्यादा जनसंख्या 25 वर्ष से कम उम्र की है। यह हमारे देश के लिए बड़ी सम्भावनाओं के साथ एक बड़ी चुनौती भी है कि कैसे युवाओं को आधुनिक कौशल के साथ प्रशिक्षित किया जाय जिससे कि युवाओं को नौकरी के पीछे न भागकर दूसरों को नौकरी देने के लायक बनाया जा सके। आज कौशल विकास एवं उद्यमिता की चर्चा खूब हो रही है और कौशल विकास, स्टार्ट-अप इंडिया, मुद्रा योजना, रफतार जैसे योजनाओं के साथ युवाओं को उद्यमिता की ओर प्रोत्साहित किया जा रहा है। आज हम 21वीं सदी में हैं जहाँ पर प्रतिदिन बाजार के स्वरूप में परिवर्तन देखने को मिल रहा है।

- ऐसी स्थिति में क्या आप उद्यमी बनने के लिए तैयार हैं?
- क्या आप कुछ नया करने तथा उस पर पहल करने की सोच रखते हैं?
- क्या आप अपने लक्ष्य के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित हैं?

यदि हाँ, तो आप इस पाठ्यक्रम का हिस्सा बन सकते हैं।

पाठ्यक्रम में कौन–कौन सम्मिलित हो सकता है

- कम्प्यूटर तथा स्मार्टफोन में दक्ष व्यक्ति
- कृषि उद्यमी
- ग्रामीण युवक एवं युवतियाँ
- ग्रामीण स्तरीय अधिकारी एवं प्रसारकर्मी
- महाविद्यालय/विद्यालय में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राएँ

पाठ्यक्रम सामग्री

- उद्यमिता एवं उद्यमशीलता प्रेरणा प्रशिक्षण (ऑन्टरप्रेनोरियल मोटिवेशनल ट्रेनिंग)
- संभावित कृषि उद्यम
- वित्तीय प्रबंधन और परियोजना निर्माण
- उद्यम प्रबंधन
- बाजार प्रबंधन

इस पाठ्यक्रम में सम्मिलित होने वाले प्रतिभागी क्या सीखेंगे

- उद्यमिता के मूलभूत सिद्धान्त
- स्वयं को पहचानना एवं प्रबंधन
- व्यक्तिगत क्षमता विश्लेषण
- उद्यमशीलता के अवसरों का आकलन एवं एक सफलतम् उद्यम का सृजन
- कृषि आधारित विभिन्न उद्यमों की समझ एवं कियान्वयन
- वित्तीय प्रबंधन के साथ सफल परियोजना निर्माण में दक्षता
- बाजार प्रबंधन के तहत उपभोगता व्यवहार एवं अपने उत्पाद की पैकेजिंग, ब्रांडिंग और उत्पाद की प्रचार-प्रसार करने में दक्षता

प्रमाण–पत्र

एजीमूक कोर्स को कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग, कनाडा, सेंटर फॉर कंटीन्यूइंग एजुकेशन, आई. आई. टी., कानपुर एवं बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर द्वारा चलाया जा रहा है। इस कोर्स में सम्मिलित होने वाले प्रतिभागियों को उनकी प्रतिभागिता एवं पात्रता के आधार पर कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग, कनाडा, सेंटर फॉर कंटीन्यूइंग एजुकेशन, आई. आई. टी. कानपुर एवं बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर द्वारा प्रमाण-पत्र प्रदान किया जायेगा।

पाठ्यक्रम का नाम

कृषि उद्यमिता के माध्यम से ग्रामीण युवाओं में रोजगार सृजन

पाठ्यक्रम के प्रारंभ होने की तिथि

11 जून, 2019

पाठ्यक्रम की अवधि

6 सप्ताह

पंजीकरण

निःशुल्क

नोडल पदाधिकारी

डॉ० आर० एन० सिंह
सह-निदेशक प्रसार शिक्षा
बी०ए०यू०, सबौर, भागलपुर

प्रशिक्षक प्रभारी–सह–समन्वयक

डॉ० रामदत्त
सहायक प्राध्यापक-सह-कनीय वैज्ञानिक,
प्रसार शिक्षा विभाग
बी०ए०यू०, सबौर, भागलपुर

तकनीकी सहयोग

ईश्वर चन्द्र
अंजुम हासिम

संचालक

डॉ० नीता सिंह
रेवती के. टी.
दीपक कुमार
अभिषेक शुक्ला
के. के. दुबे
सुगाथा चतुर्वेदी
अपर्णा गायकवाड़
आदित्य वदलामणि
अविनाश कार्निक
शिवा वार्ष्णेय

powered by mooKIT
https://mookit.co

Register at https://www.agmoocs.in
For more information contact: info@agmoocs.in